केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 211 बुधवार 21 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ओडीएफ प्लस गांवों की होगी थर्ड पार्टी आडिट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के ओडीएफ प्लस मॉडल गांवों में होने वाले कार्यो का थर्ड पार्टी ऑडिट होगा। यह काम पंचायतीराज विभाग ने कराया। ऑडिट ब्लॉक स्तरीय चार अन्य विभागों के कर्मी करेंगे। इस संबंध में डीएम अंद्रा वामसी ने निर्देश जारी कर दिया है। ऑडिट का कार्य 90 दिनों में पूरा करना है।

डीएम अंद्रा वामसी के तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण ने ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम घोषित करने के 90 दिन में थर्ड पार्टी ऑडिट होगा। ऑडिट टीम में मंडल, जिला, ब्लॉक के अधिकारी व कर्मचारी शामिल हो सकते हैं। बस्ती जनपद में सत्र 2022–23 और 2023–24 में 1556 गांवों को ओडिएफ प्लस घोषित किया जाना है। इनमें से अभी तक 256 गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित किया जा चुका है। इनका थर्ड पार्टी सत्यापन होना है। डीएम ने इन गांवों के थर्ड पार्टी सत्यापन के लिए चार सदस्यों वाली टीम गठित कर दिया है। टीम में एडीओ आईएसबी, एडीओ सहकारिता, एडीओ समाज कल्याण और ब्लॉक के पशु चिकित्साधिकारी अथवा पशुधन प्रसार अधिकारी शामिल होंगे। डीएम ने कहा कि टीम में शामिल अधिकारियों का दायित्व होगा कि एक सप्ताह में ओडीएफ प्लस घोषित गांवों की सत्यापन आख्या बीडीओ कार्यालय में जमा करें। डीएम ने सत्यापन/ऑडिट के लिए फार्मेट भी जारी किया है।

सूचना कार्यालय में तैनात लेखाकार रत्नेश के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला सूचना कार्यालय संत कबीर नगर में तैनात तथा मंडलीय सूचना कार्यालय बस्ती का कार्य देख रहे लेखाकार रत्नेश चौधरी के आकस्मिक निधन पर जिला सूचना कार्यालय में शोकसभा का आयोजन किया गया जिसमें सहायक निदेशक सूचना प्रभाकर तिवारी, अपर जिला सूचना अधिकारी हितेंद्र कुमार, प्रचार सहायक अश्वनी तिवारी, अब्दुल अहमद, ओम प्रकाश, जगदीश आदि उपस्थित रहे तथा 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

उल्लेखनीय है कि 17 फरवरी की रात को अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें कैली अस्पताल में भर्ती कराया गया परंतु डॉक्टर के अथक प्रयास के बावजूद उन्हें बचाया न जा सका। 18 फरवरी को उनका अंतिम संस्कार अयोध्या में किया गया। उनके परिवार में पत्नी एवं दो छोटे बच्चों के अलावा माता–पिता एवं भाई–बहन है।

प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया तथा 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक व्यक्त करने वालों में पत्रकार कृष्ण प्रताप सिंह, संदीप गोयल, देवेन्द्र पाण्डेय, महेन्द्र तिवारी, चन्द्र प्रकाश शर्मा, सुनील मिश्र, बशिष्ठ पाण्डेय, विश्राम प्रसाद, अनुराग श्रीवास्तव, शहंशाह आलम, चन्द्रभूषण श्रीवास्तव, राकेश तिवारी, राजेन्द्र उपाध्याय, दिनेश पाण्डेय, सर्वेश श्रीवास्तव, लवकुश सिंह, अमर सोनी सहित अनेक लोग शामिल रहे।

आई.ए.एस. हेमन्त राव करेंगे हर्रैया तहसील का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अध्यक्ष राजस्व परिषद, आई.ए.एस. हेमन्त राव 21 फरवरी को जनपद के हर्रैया तहसील में आयेंगे। उक्त जानकारी प्रभारी अधिकारी विशिष्टजन ने दी है। उन्होने बताया कि वे 1 बजे तहसील हर्रैया का निरीक्षण करेंगे। 4 बजे जिलाधिकारी कार्यालय का निरीक्षण तथा मण्डलायुक्त व जिलाधिकारी के साथ राजस्व विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं/कार्यकमों एवं राजस्व वादों के संबंध में चर्चा करेंगे। उन्होने बताया कि 22 फरवरी प्रातः 10 बजे जनपद अयोध्या के लिए प्रस्थान करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसलाः आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार चंडीगढ़ के मेयर घोषित

नई दिल्ली (आभा)। चंडीगढ़ मेयर चुनाव पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय बेंच ने आदेश दिया है कि मेयर चुनाव में अमान्य किए गए 8 बैलेट पेपर मान्य माने जाएंगे। जिसके बाद आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार को मेयर घोषित कर दिया गया।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को 12 वोट मिले थे। आठ मतों को गलत तरीके से अमान्य करार दे दिया गया। बाद में ये आठ वोट याचिकाकर्ता के पक्ष में पाए गए। इस तरह आठ मतों को जोड़ देने पर याचिकाकर्ता के 20 वोट हो जाते हैं। लिहाजा, आप पार्षद और याचिकाकर्ता कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ नगर निगम के महापौर पद पर निर्वाचित घोषित किया जाता है।

पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह द्वारा भाजपा प्रत्याशी को विजेता घोषित करने का फैसला अमान्य है।

बेंच ने कहा कि पीठासीन अधिकारी ने पहले तो महापौर चुनाव की प्रक्रिया में गैरकानूनी तरीके से तब्दीली की। इसके बाद उन्होंने 19 फरवरी को इस अदालत के समक्ष झूठ कहा। इससे पहले अदालत ने 30 जनवरी को हुए मतदान के बैलेट पेपर की जांच की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप उम्मीदवार के पक्ष में डाले गए आठ वोटों पर अतिरिक्त निशान थे। कोर्ट ने कहा कि निशान लगे बैलेट पेपर गिने जाएंगे जिसके बाद विजेता का नाम घोषित होगा। वहीं कोर्ट की टिप्पणी के बाद आम आदमी पार्टी में जश्न शुरू हो गया है। चंडीगढ़ के मेयर बने कुलदीप कुमार ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना चाहता हूं. यह चंडीगढ़ के लोगों और भारत गठबंधन की जीत है। इससे पता चलता है कि भाजपा अपराजेय नहीं है और अगर हम एकजुट रहें तो हम उन्हें हरा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पंजाब के सीएम भगवंत मान ने खुशी जताई। मान ने कहा कि आखिरकार सत्य की जीत हुई. ..चंडीगढ़ में मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हम स्वागत करते हैं... पीठासीन अधिकारी द्वारा खारिज किए गए 8 वोटों को सही ठहराते हुए सीजेआई ने आप के कुलदीप कुमार को मेयर घोषित किया. .. लोकतंत्र की इस महान जीत पर चंडीगढ़वासियों को बहुत–बहुत बधाई।

बिजली अभियंताओं पर लटकी कार्रवाई की तलवार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बिजली विभाग के अभियंताओं पर कम राजस्व को लेकर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। एक अधिशासी अभियंता को चार्जशीट थमाई गई है, जबकि एक अन्य को शोकॉज नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा पांच एसडीओ व 10 अवर अभियंताओं से भी कम राजस्व वसूली पर जवाब–तलब किया गया है। मुख्य अभियंता बस्ती जोन एसके सरोज ने बताया कि एमडी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम वाराणसी की समीक्षा में जिस खंड, उपखंड व उपकेंद्र का राजस्व कम मिला है। उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है।

एमडी ने पिछले दिनों मुख्य अभियंता कार्यालय में तीनों जिलों के अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक की थी। राजस्व की समीक्षा के दौरान कुछ खंडों की प्रगति काफी खराब मिली थी। इसे देखते हुए अधिशासी अभियंता खंड प्रथम सिद्धार्थनगर को चार्जशीट जारी करने व अधिशासी अभियंता प्रथम बस्ती को शोकॉज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। मुख्य अभियंता कार्यालय स्तर से अब इस पर कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा पांच एसडीओ को राजस्व की खराब प्रगति पर तथा 10 अवर अभियंताओं के खराब टर्नअप को देखते हुए सभी से जवाब–तलब किया गया है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुये बस्ती के कांग्रेसी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी के लखनऊ आगमन पर बड़ी संख्या में बस्ती से कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुये।

कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश सचिव नोमान अहमद ने बताया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', गिरीश चन्द्र पाण्डेय, बसन्त चौधरी, नर्वदेश्वर शुक्ल, विजय गुप्ता, जयकरन वर्मा, भूमिधर गुप्ता, विनोद पाण्डेय, अरूण कुमार पाण्डेय, सन्तोष के साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी शामिल रहे।

नोमान अहमद ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जिस प्रकार से लोग उमड़े उससे तय है कि कांग्रेस अपनी खोयी हुई प्रतिष्ठा वापस लेगी। जनता का उत्साह देखने लायक था। निश्चित रूप से भारत जोड़ो न्याय यात्रा का उत्तर प्रदेश में भी व्यापक प्रभाव पड़ेगा और आगामी लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस निर्णायक जीत हासिल करेगी।

सामूहिक रूद्राभिषेक के लिये भूमि पूजन 24 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक लोहिया काम्प्लेक्स में ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सामूहिक रुद्राभिषेक के व्यवस्था प्रबन्धन पर विस्तृत चर्चा करके आयोजन समिति का गठन किया गया । आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों ने यथासम्भव सहयोग करके आयोजन को दिव्यता से सम्पन्न कराने का संकल्प व्यक्त किया।

संस्था के अध्यक्ष राजेश मिश्र ने उपस्थित लोगों से कहा कि धर्म रक्षा अभियान के अन्तर्गत पूर्व की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के दिन अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ शिव मन्दिर के समक्ष विश्व कल्याण के निमित्त सामूहिक रुद्राभिषेक होना सुनिश्चित है।

श्री रुद्राभिषेक आयोजन को अबाध सम्पन्न कराने हेतु 24 फरवरी शनिवार को सुबह 10 बजे से 108 श्री हनुमान चालीसा पाठ करने के बाद भूमि पूजन एवं हवन व भण्डारा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में अमरेन्द्र पाण्डेय एडवोकेट, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, प्रमोद पाण्डेय, बबलू मिश्रा, अजय श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त,विशाल पाण्डेय, हरिनाथ चौधरी, अपूर्व शुक्ल, महेन्द्र तिवारी, राहुल मिश्र, शिवेश शुक्ल, अभिषेक कुमार आदि उपस्थित रहे।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उमड़े लोग–बोले राहुल गांधी–डरो नहीं लड़ो

लखनऊ (आभा)।कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा रायबरेली , लखनऊ में स्वागत किया गया। रायबरेली में उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि डरना नहीं है। जाति जनगणना के लिए लड़ना है। जब तक जाति जनगणना नहीं होगी तब तक 73 फीसदी लोगों को पोस्टर लेकर सड़क पर भटकना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि ओबीसी और दलितों के हक पर डाका डाला जा रहा है। यही वजह है कि दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों की कहीं भी भागीदारी नहीं है। उन्होंने 69000 शिक्षकों की भर्ती से जुड़े अभ्यर्थी को मंच पर बुलाकर समस्या पूछी और उसी के बहाने अपना पूरा वक्तव्य दलित और पिछड़ों पर केंद्रित किया।

मां सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्यसभा सांसद का परचा भरने के बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि गांधी परिवार का ही कोई सदस्य रायबरेली से लोकसभा का चुनाव

लड़ेगा। इस बीच सोनिया ने अपनी संसदीय क्षेत्र की जनता को भावुक पत्र भी लिखा था। भावुक पत्र मिलने के बाद से आमजन भी चाह रहे हैं कि गांधी परिवार का ही कोई सदस्य यहां से चुनाव लड़े।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का भविष्य शराब पिए सड़क पर लेटते हुए नशे में नाच रहा है. उन्होंने इस दौरान राम मंदिर का भी जिक्र किया।

रायबरेली में भारत जोडो न्याय यात्रा कर रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'आपका देश में कोई काम नहीं बचा, मैं वाराणसी गया. यहां रात को देखा कि बाजा बज रहा है और शराब पिएं सड़क पर लेटते हुए यूपी का भविष्य नाच रहा है. दूसरी तरफ राम मंदिर में पीएम नरेंद्र मोदी, अंबानी और हिंदुस्तान के अरबपति दिखते हैं.'' दरअसल, वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है।

राहुल गांधी ने कहा कि देश में बच्चों से कहा जाता है कि पढ़ाई करो, ताकि नौकरी मिल सके. पढ़ाई में लाखों रुपये खर्च करने के बाद जब बच्चे परीक्षा देते हैं तो पेपर लीक हो जाता है. आपको नौकरी नहीं मिलती है, लेकिन कुछ लोगों को बिना कुछ किए नौकरी मिल जाती है. ये है युवाओं का भविष्य।

राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान में जब आप 200 बड़ी कंपनियों को देखेंगे तो उनमें एक भी ओबीसी, दलित, आदिवासी वर्ग के लोग नहीं मिलेंगे. आप मनरेगा, कॉन्ट्रैक्ट लेबर की लिस्ट देखेंगे तो उसमें ओबीसी, दलित, आदिवासी वर्ग के लोग दिखेंगे. उन्होंने दावा किया कि युवा हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से हुआ लेकिन उसमें दलितों को प्रवेश नहीं मिला. उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी वहां नहीं आने दिया गया, बड़े–बड़े पैसे वाले लोग जरूर दिखाई दिए।

अब विभागों के मकड़जाल में नहीं उलझती फाइलें –योगी

लखनऊ (आभा)। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के दूसरे दिन मंगलवार को एफडीआई पर आयोजित सेमिनार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट के रूप में खुद को स्थापित करने वाले उत्तर प्रदेश में अब शासन और विभागों के मकड़जाल में फाइलें नहीं उलझती और यही कारण है कि निवेश के लिहाज से यह राज्य हर उद्योगपति का चहेता बन चुका है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश–निवेश प्रदेश के तहत मेन हैंगर में आयोजित एफडीआई कॉन्क्लेव 'यूपी–इमर्जिंग डेस्टिनेशन फॉर फॉरेन इनवेस्टमेंट इन इंडियाश को सीएम योगी ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि यूपी ने नया प्रयास प्रारंभ किया है। पहले यहां शासन व विभागों के मकड़जाल में फाइल उलझ जाती थी। आज सिंगल विंडो पोर्टल 'निवेश मित्र' उद्यमियों की सेवा के लिए समर्पित है। एमओयू मॉनीटरिंग के लिए 'निवेश सारथी' पोर्टल निवेशकों की सेवा के लिए कार्य कर रहा है। यूपी में निवेशकों के लिए इन्सेंटिव मॉनीटरिंग सिस्टम प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है। तकनीक का उपयोग करते हुए आपकी समस्या के समाधान के लिए इसे और भी अच्छा बनाने का प्रयास किया गया है। यूपी अपने निवेशकों के हितों को संरक्षण देने के लिए तैयार है। उन्होने निवेशकों को आश्वस्त किया कि उनका निवेश यूपी में सुरक्षित होगा और बिजनेस का नया आनंद प्रदान करने में योगदान देगा।

योगी ने कहा कि छह–सात वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी छवि को बदला है। आज ये नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है। विकसित भारत का विकसित उत्तर प्रदेश है। सात वर्ष पहले उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य हुआ करता था। उत्तर प्रदेश देश के विकास का बैरियर माना जाता था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश ने खुद को बीमारू राज्य की श्रेणी से उबारकर देश के अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट के रूप में स्थापित किया है। हमारे पास प्रकृति भी है, परमात्मा भी है और प्रतिभा से भरपूर युवा भी हैं। सात वर्षों में यूपी की अर्थव्यस्था व प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त हुई है।

वार्ता विफल, दिल्ली कूंच पर अड़े किसान

नई दिल्ली (आभा)। एमसएपी और कर्ज माफी सहित कई मांगों को लेकर दिल्ली कूच पर अड़े किसानों ने केंद्र सरकार के साथ चौथे दौर की वार्ता में दिए गए प्रस्वात को ठुकरा दिया है। किसान नेताओं ने मांगें न मानने पर 21 फरवरी को दिल्ली कूच का ऐलान कर दिया है। उन्होंने बची हुई मांगों पर भी सरकार से जवाब मांगा। साथ ही उन्होंने कहा कि हम बैठक में पहले पहुंच जाते हैं और सरकार के नुमाइंदे तीन–तीन घंटे देरी से आ रहे हैं, जिससे उनकी गंभीरता दिखती है। उन्होंने कहा सरकार 23 फसलों पर एमएसपी की

गारंटी अभी दे और बाद में जो फसलें बचेंगी उन पर भी स्टडी करके गारंटी दे। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि किसान नेताओं ने कहा कि हमें आराम से दिल्ली जाने दें या फिर हमारी मांगों पर फैसले लें। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने बताया कि किसानों ने प्रस्ताव को रद्द कर दिया है। सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि सरकार की नीयत में खोट है। चंडीगढ़ में एक दिन पहले हुई किसान संगठनों और केंद्रीय मंत्रियों की चौथे दौर की वार्ता में केंद्र ने किसानों को प्रस्ताव दिया था कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया था कि केंद्र सरकार चार और फसलों पर एमएसपी देने को तैयार हो गई। केंद्र सरकार की ओर से धान और गेहूं के अलावा मसूर, उड़द, मक्की और कपास की फसल पर भी एमएसपी देने का प्रस्ताव पेश किया गया, लेकिन इसके लिए किसानों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) से पांच साल का करार करना होगा।

वन कर्मियों ने जहरीले सांप को जंगल में छोड़ा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज विकास खंड के पगार गांव में वन कर्मियों ने मंगलवार को जहरीले सांप रसल वाइपर को पकड़ा। बाद में उसे जंगल में छोड़ दिया गया।

कप्तानगंज वन रेंज के पगार गांव के उत्तर झाड़ियों के बीच के अजगर जैसे सांप को ग्रामीणों ने देखा। गांववालों ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। डिप्टी रेंजर ज्ञान प्रकाश गौतम ने वनकर्मी संजय कुमार, रवीन्द्र सिंह, सुनील कुमार मिश्रा टीम को पगार गांव भेजा। वहां पर टीम ने झाड़ियों के बीच ईंट को हटवाया। ईंटों के

बीच छिपे एक बड़े सांप को वन संजय कुमार ने पकड़ा। बाद में इस सांप की पहचान रसल वाइपर के रूप में हुई।

वन कर्मियों ने उसे डिब्बे में बंद कर जंगल में छोड़ दिया। डिप्टी रेंजर ज्ञान प्रकाश गौतम ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर टीम भेजा गया था। सांप को पकड़ कर जंगल में छोड़ दिया गया है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने छोड़ी सपा एमएलसी पद से भी त्याग पत्र दिया

लखनऊ (आभा)। स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी से अपना रिश्ता पूरी तरह से तोड़ लिया है। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से 13 फरवरी को ही इस्तीफा दे दिया था। मंगलवार को उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और एमएलसी पद से भी इस्तीफा दे दिया। इसके पहले अखिलेश यादव के सोमवार को दिए बयान को इंगित करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा था कि उनकी (अखिलेश की) सरकार न तो केंद्र में है और न ही प्रदेश में है, कुछ देने की हैसियत में नहीं है। उन्होंने जो भी दिया है वह मैं उन्हें सम्मान के साथ वापस कर दूंगा। मेरे लिए पद नहीं विचार मायने रखता है... अखिलेश यादव की कही हुई बात उन्हें मुबारक। सोमवार को अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बागी तेवरों के बारे में पूछे जाने पर कहा था कि किसी के मन क्या है यह कैसे जाना जा सकता है। कुछ लोग लाभ के लिए आते हैं और लाभ लेकर चले जाते हैं।

अखिलेश की इस टिप्पणी पर सोमवार को भी स्वामी प्रसाद मौर्य जमकर भड़के थे। सोमवार को पता चला था कि स्वामी प्रसाद मौर्य अपनी अलग पार्टी बना रहे हैं। इस पार्टी का झंडा भी सामने आया था। स्वामी प्रसाद मौर्य ने बताया था कि 22 फरवरी को वह दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। माना जा रहा है कि इसी कार्यक्रम में उनके अगले कदम का खुलासा होगा। स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' के जरिए अपने इस्तीफे की जानकारी दी। साथ ही दोनों पदों से इस्तीफे की प्रतियां भी पोस्ट कर दीं।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव समाजवादी विचारधारा के विपरीत जा रहे हैं। मैं 22 फरवरी को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में एक कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से बातचीत के बाद पार्टी बनाने के अपने फैसले का उद्घोष भी करूंगा। विधानपरिषद सभापति को भेजे अपने इस्तीफे में स्वामी प्रसाद मौर्य ने लिखा है, 'मैं समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में विधानसभा, उत्तर प्रदेश निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य्य विधान परिषद निर्वाचित हुआ हूं। चूंकि मैंने समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है अस्तु नैतिकता के आधार पर विधान परिषद, उत्तर प्रदेश की सदस्यता से भी त्यागपत्र दे रहा हूं। कृप्या इसे स्वीकार करने की कृपा करें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 फरवरी 2024 बुधवार

सम्पादकीय

रोजगार में बदलती राजनीति

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि चुनाव आयोग के पास खर्च का जो ब्यौरा दिया जाता है वह झूठ का पुलिंदा होता है। फरेब से करियर की शुरूआत करने वाले विधायकों और सांसदों से सुशासन की उम्मीद कैसे की जा सकती है? यू.पी.ए. 2 के दौर में कांग्रेस के एक बड़े सांसद ने कहा था कि राज्यसभा की सीट के लिए 100 करोड़ से ज्यादा की बोली लगती है। यह बात जगजाहिर है कि कई प्रत्याशी लोकसभा चुनावों में 50 करोड़ और विधानसभा में 10 करोड़ से ज्यादा खर्च करते हैं।

पार्षद और प्रधानी के चुनावों में भी प्रत्याशी करोड़ों का खर्च करने लगे हैं। सेवा की बजाय यह खर्च मेवा के लिए हो रहा है। इसीलिए चुनावों में पार्टियों का टिकट हासिल करने के लिए सबसे ज्यादा भीड़ और उपद्रव होते हैं। नेतागिरी पैसे कमाने का रोजगार और व्यापार बन गई है इसलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले और नए कानून पर किसी भी बात से पहले काले धन के चार जरूरी पहलुओं पर समझ जरूरी है। पहला– किसी भी जायज आमदनी नहीं देने से काले धन की शुरूआत होती है।

दूसरा–अफसरों और नेताओं की भ्रष्ट आमदनी काले धन के साथ गैर–कानूनी भी है। तीसरा–उद्योगपतियों द्वारा गैर–कानूनी माइनिंग, सरकारी बैंकों के साथ धोखाधड़ी और सरकारी खजाने को चूना लगाकर मनी लांड्रिंग करने वाले सफेदपोश अपराधी देश के साथ गद्दारी करते हैं। चौथा–हथियार और ड्रग्स के माध्यम से अर्जित काला धन समाज और देश के खिलाफ संगठित हमला है।

काले धन को रोकने के नाम पर बनाया गया चुनावी बांड का कानून, मनी लांड्ड्रिंग के साथ अपराध को बढ़ा रहा था। अपारदर्शी और भ्रष्टाचार को बढ़ाने वाले चुनावी बांडों के कानून को रद्द करने का फैसला सराहनीय और गणतंत्र को मजबूत करने वाला है। आम चुनावों से पहले अध्यादेश के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलने का दुस्साहस शायद नहीं होगा, लेकिन बांड की लाभार्थी पार्टियों का विवरण जारी होने से सियासी हड़कंप मच सकता है। इसलिए कानूनी सुरक्षा की आड़ में रिजर्व बैंक जरूरी विवरण जारी करने में नानुकूर कर सकता है। इसके लिए फैसले में आंशिक बदलाव के लिए सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी दायर करने पर विचार हो सकता है। उसके बाद नई सरकार चुनावी फंडिंग के बारे में नया कानून लाने पर विचार कर सकती है।

नए कानून से पहले चुनावी बांड से जुड़े दो अहम पहलुओं की समझ जरूरी है। पहला–उम्मीदवारों के चुनावी खर्चों की कानूनी लिमिट तय है। इसका पालन करवाने के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति होती है, लेकिन समर्थकों और पार्टी के खर्च पर कोई कानूनी बंधन नहीं है। पिछले कई सालों में चुनाव आयोग और आयकर विभाग की कार्रवाई से साफ है कि अनेक छोटी रजिस्टर्ड पार्टियों का मनी लांड्रिंग के लिए इस्तेमाल हो रहा है। चुनाव जीतने और सरकार बनाने के लिए इन सारे तरीकों से अर्जित काले धन का संगठित तौर पर सभी पार्टियां इस्तेमाल करती हैं। इसलिए जीतने के बाद विधायक और सांसदों की रुचि सुशासन से ज्यादा पैसे कमाने में होती है। आम जनता और व्यापारियों के ऊपर टैक्स का भारी बोझ है लेकिन पार्टियों को मिले चंदे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इसके बावजूद पार्टियों की आमदनी और खर्चों में कोई पारदर्शिता नहीं है।

मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पाष्टयों के दावों को सच माना जाए तो उनके साथ 25 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड सदस्य और कार्यकर्ता होंगे अगर हर सदस्य पार्टी को एक हजार रुपए का सहयोग दे तो 25 हजार करोड़ का चुनावी फंड आ जाएगा। इन पैसों से देश के कानून का पालन करते हुए सभी चुनाव लड़े जा सकते हैं। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलने के साथ राजनीति में धनबल का वर्चस्व भी कम होगा।

बांड से जुड़ा दूसरा जरूरी पहलू है, चुनावों में धनबल को खत्म करके जनबल यानी आम जनता और कार्यकर्त्ताओं का सशक्तिकरण करना। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ रामराज्य और सुशासन की चर्चा जोरों पर है। चुनावों में काले धन के इस्तेमाल में कमी से ही रामराज्य की नींव बनेगी। रामराज्य में धर्म, समानता, स्वतंत्रता और न्याय पर जोर था। उन आदर्शों से प्रेरित होकर भारत के संविधान की प्रस्तावना बनाई गई है।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए गरीबी, असमानता और बेरोजगारी जैसे दानवों को परास्त करना जरूरी है। रावण को परास्त करने के लिए श्रीराम ने बंदरों और भालुओं की सेना बनाई थी। रामराज्य में उन सभी को बहुत सम्मान मिला और उनमें से कई का आज भी स्मरण और पूजा होती है, लेकिन आधुनिक युग में सत्ता हासिल करने के बाद कार्यकर्त्ताओं और जनता की अवहेलना से सरकारी तंत्र और चुनावों में धनपतियों का बाहुल्य बढ़ रहा है।

विधायक, सांसद, अफसर, जज और मंत्रियों सभी को धन–सम्पत्ति का विवरण देना होता है तो सभी पार्टियां पूरी पारदर्शिता से आमदनी और खर्चों का विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं करतीं? पार्टियों और चुनावों की व्यवस्था को ठीक करने के लिए कानूनी सुधार करने के बारे में सत्ता पक्ष के साथ विपक्षी पार्टियों की चुप्पी हैरतअंगेज है। चुनावी बांड का फैसला आने में काफी समय लगा। पार्टियों को आर.टी.आई. के दायरे में लाने के लिए कई वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं लंबित हैं, जिन पर अब जल्द फैसला होना चाहिए। सरकार को भी यह समझना चाहिए कि राजनीति को मेवा की बजाय सेवा का माध्यम बनाने के लिए चुनावी सुधारों पर सख्त कानून बनाने की जरूरत है।

एमएसपी गारंटी की मांग और किसान आन्दोलन

—आशीष वशिष्ठ—

भारत एक लोकतांत्रिक देश है और संविधान के तहत देश के हर नागरिक को शांतिपूर्ण आंदोलन और प्रदर्शन करने का मौलिक अधिकार है। लेकिन, न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी कानून की गारंटी के लिए आंदोलनरत किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें मंगवाने के पक्षधर नहीं दिखते। सरकार बातचीत के माध्यम से समस्या सुलझाना चाहती है। लेकिन किसान नेताओं के तेवरों और मांगों की लंबी सूची के दृष्टिगत इस बात की संभावना न्यून है कि बातचीत से ये मसला निपटेगा। वास्तव में किसान नेता भी जानते हैं कि एमएसपी कानून की गारंटी देना इस सरकार तो क्या किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है।

किसानों के असली इरादों को उनकी तैयारियों को देखकर समझा जा सकता है। जिस तरह ट्रैक्टर ट्रालियों में महीनों का राशन और दूसरा जरूरी सामान लेकर वो घरों से निकले हैं, उससे साफ है कि उनकी मंशा समझौते की नहीं, टकराव की है। वो चाहते हैं कि गलती से शासन प्रशासन के हाथों कोई ऐसा काम हो जाए, जिससे वो और उनका पूरा इको सिस्टम सरकार को किसान विरोधी साबित कर सकें। ये सारी कवायद चुनाव से पहले माहौल खराब करने और सरकार की छवि को ठेस पहुंचाने की दिखाई देती है।

किसान समस्या का हल चाहते तो बातचीत में विश्वास करते। वो तो दिल्ली की तरफ हजारों की भीड़ लेकर ट्रैक्टर ट्रालियों, गाड़ियों और अन्य साधनों से दिल्ली की ओर ऐसे बढ़े मानो उन्हें किसी विदेशी सरकार से निर्णायक संघर्ष करना है। किसान नेता जब मीडिया या किसी सार्वजनिक मंच से बोलते हैं तो ऐसा व्यवहार करते हैं कि मानो केंद्र सरकार उनकी सबसे बड़ी दुश्मन है। मीडिया से बातचीत के समय किसान नेताओं और उनके समर्थकों की भाषा, बॉडी लैंग्वेज और भाषणों की टोन ऐसी होती है मानो किसी दुश्मन देश की सरकार को वो चेतावनी दे रहे हों। करोड़ों नागरिकों द्वारा निर्वाचित सरकार, जो बातचीत के लिए हमेशा तैयार है, उसके प्रति किसान नेताओं का अनादर का भाव कदम कदम पर दिखाई देता है।

किसान नेता अपने आंदोलन को अराजनीतिक बताते हैं। लेकिन राजनीतिक संगठनों के साथ उनके रिश्ते जगजाहिर हैं। इसीलिए कहा जा रहा है कि किसान आंदोलन तो बहाना है– असली काम तो मोदी सरकार को हटाना है। लोगों में चर्चा इस बात को लेकर है कि आखिर बिना राजनीतिक दलों के समर्थन के इतना बड़ा आंदोलन इतनी जल्दी कैसे खड़ा हो सकता है। 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के 34 किसान संगठन विरोध कर रहे थे, जबकि यह आंदोलन मात्र कुछ किसान संगठनों द्वारा ही किया जा रहा है। तो क्या यह सही है कि इस बार का आंदोलन किसी विशेष उद्देश्य से हो रहा है?

भारतीय किसान यूनियन सिद्धूपुर के प्रधान जगजीत सिंह डल्लेवाल इस बार किसान आंदोलन के सबसे प्रमुख चेहरे हैं। जिस तरह पिछली बार गुरनाम सिंह चढूनी और राकेश टिकैत थे इस बार डल्लेवाल हैं। उनके मुंह से किसान आंदोलन की सच्चाई निकल गई है। डल्लेवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि राम मंदिर बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्राफ बहुत बढ़ गया था, उसे नीचे लाना है। आंदोलन में शामिल पंजाब के किसान नेता तेजवीर सिंह का एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वो किसान आंदोलन के जरिए देश की सरकार बदलने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं वो किसान आंदोलन को विपक्ष की लड़ाई लड़ने वाला भी बता रहे हैं। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं किसान नेताओं को एक बात समझाई गई है कि ये लड़ाई किसानों के अधिकारों और एमएसपी की गारंटी के लिए नहीं है बल्कि इन मुद्दों के नाम पर सरकार को ही बदलना है।

यही नहीं किसान आंदोलन को कवर कर रहे बहुत से यूट्यूबर्स, मीडिया हाउसेस के वीडियो देखने को मिल रहे हैं जिन्हें देखकर आप यही कह सकते हैं कि किसान आंदोलन भ्रमित है या गलत लोगों के हाथ में है। बहुत से किसान इंडिपेंडेंट पंजाब या खालिस्तान की बात करते हुए मिलते हैं। कुछ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए मिल जाते हैं। इन किसानों के मन में एमएसपी पर गारंटी की डिमांड कम, केंद्र सरकार को बदलने का जज्बा काफी है। इनमें से कुछ में नरेंद्र मोदी के लिए इतनी नफरत भरी हुई है जैसे किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने विरोधी दलों के नेताओं के बारे में रखता है। बल्कि राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में भी अपने विरोधी दल के नेता के लिए मरने–मारने की बात नहीं होती। यहां तो किसान मरने–मारने की बात भी कर रहे हैं। पंजाब में पीएम मोदी का काफिला रोकने की जिम्मेदारी लेने वाले संगठन भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी संगठन भी इस आंदोलन में शामिल है।

आंदोलन शुरू होने से 2 दिन पहले जिस तरह कांग्रेस नेता राहुल गांधी का ट्वीट किसान आंदोलन को समर्थन करते आ गया था उससे भी इस संदेह को बल मिला कि यह आंदोलन किसानों के अधिकार के लिए नहीं बल्कि मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए ज्यादा है। कांग्रेस नेता रमनदीप सिंह मान पर आरोप है कि वो कांग्रेस और किसान नेताओं के बीच कड़ी का काम कर रहे थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र पांचजन्य के हैंडल ने उनके कई ट्वीट्स की कड़ी का थ्रेड बनाकर अपने हैंडल पर डाला हुआ है। इस थ्रेड से पता चलता है कि कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने किस तरह रमनदीप सिंह के साथ मिलकर किसान आंदोलन को खड़ा किया।

जब चार साल पहले तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में राजधानी को लगभग 13 महीने तक बंधक बनाए रखा गया था। धरना–प्रदर्शन और आंदोलन के बहाने अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए किसान संगठनों की ओर से बनाए गए माहौल का ही नतीजा था कि केंद्र सरकार को उन तीन कृषि कानूनों को वापस लेना पड़ा था, जिन्हें कृषि और कृषक समुदाय के लिए क्रांतिकारी माना जा रहा था।

सच्चाई यह है कि पिछली सरकारों ने जो कुछ किसानों की भलाई के लिए किया, वर्तमान सरकार ने उससे बढ़कर ही किया है। आंकड़े इसके प्रत्यक्ष साक्षी हैं। ये भी सच्चाई है कि किसानों की भलाई के लिए काफी कुछ किया जाना बाकी भी है। असल में, जब आंखों में विरोधी चश्मा चढ़ा हो और दिमाग में रटी रटाई स्क्रिप्ट तैर रही हो तो बातचीत से मामला हल कहां होने वाला है? सरकार चाहे जितने भी उपाय और मजबूरियां बता दे, किसान नेताओं को तो अपनी बात पर अड़े रहना है। शायद उनके राजनीतिक आकाओं की ऐसी ही मंशा होगी।

किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। पिछले सात दशक से जिस तरह की कृषि नीति देश में अपनायी गयी है, उन नीतियों से किसानों की स्थिति तो नहीं सुधरी है, न ही उनको उनकी उपज का वाजिब दाम ही मिल पाता है। लेकिन किसानों के ही फसलों से कृषि तंत्र पर कब्जा जमाए बिचौलियों और कारोबारियों की आर्थिक सेहत हमेशा ही बल्ले–बल्ले रही है। कृषि क्षेत्र में सुधार और बिचौलियों को सिस्टम से बाहर करने के लिए ही सरकार तीन नये कृषि कानून लेकर आई थी। लेकिन ये भ्रम फैलाया गया कि नये कानून किसान विरोधी हैं। सरकार ने भी दबाव में आकर कानून वापस ले लिये। जानकारों का मानना है कि, नये कृषि कानून लागू हो गये होते तो किसानों की कई समस्याओं का हल स्थायी तौर पर हो जाता।

किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिले, उनका जीवन सुधरे और वो भी पूरे मान सम्मान के साथ जीवन बिताएं, इसमें किसी को कोई परेशानी नहीं है। किसानों को भी तनातनी और राजनीति छोड़कर बातचीत से मसला हल करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। हिंसा और उपद्रव से किसानों की छवि तो खराब होती ही है, देश के साधनों और संसाधनों का नुकसान होता है और आम नागरिकों को भी परेशानियां पेश आती हैं। सरकार को सहानुभूति पूर्वक किसानों की व्यावहारिक मांगों को स्वीकार करना चाहिए। शांति और सद्भाव का माहौल ही किसी देश के विकास को गति प्रदान करता है।–(लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार हैं)

योगी का हिन्दुत्व और विपक्ष

—निरंकार सिंह—

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा और फिर वाराणसी में ज्ञानवापी के तहखाने में पूजा का अधिकार मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिन्दुत्व के मुद्दे को और धार देना शुरू कर दिया है। उन्होंने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर 'कृष्ण, महाभारत, कौरव, नंदी जैसे भारतीय संस्कृति के प्रतीकों के जरिये अपने हिन्दुत्व की धार को और पैना किया तो विपक्ष को इसकी काट ढूंढना मुश्किल हो गया। 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में जिन लोगों ने 4–4 बार प्रदेश में शासन किया, लंबे समय तक सत्ता पर विराजमान रहे उन्होंने यू.पी. के लोगों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। यहां का नौजवान पहचान छिपाने के लिए मजबूर था। उसे यू.पी. से बाहर हेय दृष्टि से देखा जाता था। यहां तो नौकरी नहीं थी, यू.पी. से बाहर भी नहीं मिलती थी। किराए के कमरे तो दूर होटल और धर्मशालाओं में भी जगह नहीं मिलती थी।

आज उत्तर प्रदेश ने 22 जनवरी 2024 की घटना को भी देखा है। पूरी दुनिया के अन्दर हर वह व्यक्ति जो न्याय का पक्षधर है, गौरवान्वित था। हर धर्मावलंबी की आंखों में खुशी के आंसू थे। योगी ने कहा कि अयोध्या को लेकर हर किसी के मन में संतोष था कि जो हुआ है अच्छा हुआ है। अविस्मरणीय क्षण था वह और हर व्यक्ति गौरव की अनुभूति कर रहा था क्योंकि 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद सर्वानुमति के साथ उसके समाधान का रास्ता निकला और आज रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण न सिर्फ प्रशस्त हुआ बल्कि रामलला वहां स्थापित हुए। अयोध्या में जो हुआ वह पहले भी हो सकता था। विकास हो सकता था, सड़कें चौड़ी हो सकती थीं, एयरपोर्ट बन सकता था। मथुरा–काशी–वृंदावन के विकास को अवरुद्ध कर दिया गया। लेकिन हमारी आस्था थी नीति साफ थी। नीयत भी स्पष्ट थी। हम अयोध्या–काशी तो गए ही, नोएडा और बिजनौर भी गए। योगी ने कहा कि मैं अयोध्या, काशी गया क्योंकि हमारी आस्था थी। नोएडा, बिजनौर इसलिए गया क्योंकि वहां के बारे में भ्रांति थी कि जो मुख्यमंत्री वहां गया वह दोबारा नहीं आया, लेकिन मैं गया। मैंने कहा जो कल होना है वह आज हो जाए लेकिन मैं जरूर जाऊंगा क्योंकि नोएडा, बिजनौर उत्तर प्रदेश का हिस्सा है।

विपक्ष पर हमला बोलते हुए योगी ने कहा कि कुछ लोगों ने निहित स्वार्थों के लिए अयोध्या को युद्धभूमि के रूप में बदल दिया था। अयोध्या में तब कर्फ्यू का सन्नाटा था। आज अयोध्या 'मंगल भवन अमंगल हारी' की ध्वनि से गुंजायमान हो रही है। तब सरकार ने अयोध्या की उपेक्षा की थी। अब सारा देश हमसे उम्मीद रखता है। अयोध्या आज सबको आमंत्रित करती है। हम सबको वहां जाना चाहिए। पूरा देश वहां आ रहा है और पूरी दुनिया आना चाहती है।

अखिलेश पर तंज कसते हुए योगी ने कहा कि राज्यपाल ने भाषण की शुरुआत भगवान राम से की थी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष ने एक भी शब्द उस पर नहीं बोला। उन्हें आज भी वोट की इच्छा है और यह वोट बैंक की चिंता बड़ी खतरनाक है। वोट बैंक के लिए हम किस स्तर पर जाकर जनविश्वास के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं कि राज्यपाल के भाषण में प्रयोग किए गए शब्दों का प्रयोग भी हम नहीं कर पाए।

उत्तर प्रदेश विधान सभा में योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर के मुद्दे पर बोलते हुए इशारों–इशारों में मथुरा और काशी का मुद्दा भी छेड़ दिया। उन्होंने कहा कि भारत के अंदर लोक आस्था का अपमान हो और बहुसंख्यक समुदाय गिड़गिड़ाए, ऐसा दुनिया में कहीं नहीं हुआ। जो काम अब हो रहा है वह काम आजाद भारत में पहले होना चाहिए था। 1947 में ही हो जाना चाहिए था। अयोध्या–काशी और मथुरा की ओर इशारा करते हुए योगी ने कहा, 'हमने तो केवल तीन जगहें मांगी हैं। अन्य जगहों के बारे में कोई मुद्दा नहीं था।

विदेशी आक्रांताओं ने केवल इस देश के अंदर धन–दौलत ही नहीं लूटा था इस देश की आस्था को भी रौंदने का काम किया था। आजादी के बाद उन आक्रांताओं को महिमा मंडित करने का कुत्सित कार्य किया गया। विपक्षी नेताओं के पास उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्य नाथ के इन सवालों का कोई जवाब नहीं है। विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने राम मंदिर पर समय–समय पर दिए बयानों से भाजपा को यह मौका दिया है। राम मंदिर के निर्माण की जन आकांक्षाओं को समझने में विपक्षी नेता विफल रहे हैं।

मंदिर के निर्माण के बारे में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बसपा की भूमिका शुरू से ही नकारात्मक रही है। वे अपनी तथाकथित सेकुलर छवि को चमकाने के मोह में इतना डूबे रहे कि आम जनमानस की भावनाओं को समझ ही नहीं सके। इतना ही नहीं, जब समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव को अयोध्या में राम मन्दिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने का निमंत्रण पत्र गया तो उन्होंने उसे लेने से ही इंकार कर दिया। उनके एक चहेते बड़बोले नेता ने प्राण प्रतिष्ठा का ही मजाक उड़ा दिया।

प्रमोद कृष्णम को छोड़कर कोई बड़ा कांग्रेसी नेता इस समारोह में नहीं गया। कोई मन्दिर की जगह अस्पताल बनवाने की बात कर रहा था तो किसी ने कहा कि क्या राम मन्दिर बन जाने से बेरोजगारी दूर हो जाएगी? पर आज कोई भी अयोध्या जाकर यह देख सकता है कि किस तरह से अयोध्या ही नहीं इसके आसपास के क्षेत्रों के साथ–साथ पूरे प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था बदल रही है।

आज अयोध्या में राम मन्दिर बनने के ही कारण वह पूरी दुनिया का एक बड़ा पर्यटन स्थल भी बन गया है। पूरी अयोध्या का कायाकल्प हो गया है। वहां के छोटे–बड़े दुकानदारों, होटलों के ही नहीं बल्कि आम आदमी, रिक्शा व टैक्सी चालकों की आर्थिक दशा में भी सुधार हो रहा है। हर जगह रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। विपक्षी दलों के नेताओं की बेचैनी अब साफ–साफ दिखाई दे रही है। दल टूट रहे हैं और हताश एवं निराश दलों के नेताओं को कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है।

बेचैनी इतनी ज्यादा है कि कुछ नेता तो प्रदेश में अराजकता फैलाने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। बरेली और हल्द्वानी की हिंसा में उनके क्रियाकलापों की जांच चल रही है। विपक्षी नेताओं को यह समझ में नहीं आ रहा कि वे चुनाव का मुद्दा क्या बनाएं। बस वे बेरोजगारी और महंगाई की बात कर रहे हैं। इसे हर चुनाव में विपक्षी दल मुद्दा बनाते रहे हैं। पर जनता भी यह समझ रही है कि दुनिया में कोई ऐसी सरकार नहीं है जो सबको रोजगार दे सके।

रही बात महंगाई की तो वह आबादी बढ़ने के साथ–साथ बढ़ रही है लेकिन विपक्षी नेता तो जनसंख्या नियंत्रण कानून के खिलाफ ही बोलते रहे हैं। दुनिया के तमाम देशों के मुकाबले भारत में महंगाई कम ही है। पाकिस्तान, श्रीलंका सहित तमाम देशों में महंगाई भारत की अपेक्षा बहुत ज्यादा है। कुल मिलाकर महंगाई और बेरोजगारी को मुद्दा बनाकर विपक्ष चुनाव नहीं जीत सकता है। इसके लिए उसे नए मुद्दों की तलाश करनी होगी।

लघु कथा

'अँगूठी'

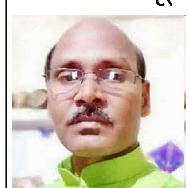

—डॉ. राजेन्द्र सिंह 'राही'—

रोहित इधर कई दिनों से बहुत चिंतित रहने लगा था। उसकी इस चिंता का कारण सुमन अच्छी तरह से जानती थी। इसलिए रोहित को चिंतित देखकर वह उन्हें अक्सर समझाया करती थी कि वे ज्यादा चिंता न करें। ईश्वर की कृपा से इस समस्या का कोई न कोई हल जरूर निकल जायेगा। लेकिन रोहित, उसे तो यह चिंता सताये जा रही थी कि वह अँगूठी के लिए रुपयों की व्यवस्था कहाँ से करे? रोहित एक प्राइवेट स्कूल में शिक्षक था। उसे जो वेतन मिलता था उससे उसके परिवार का गुजर–बसर होना भी मुश्किल था, इसीलिए वह अपना परिवार चलाने के लिए कुछ बच्चों को ट्यूशन पढ़ाता था। बड़े कठिनाई से वह अपने बीबी–बच्चों की जरूरतें पूरी कर पा रहा था। ऐसी स्थिति में बुआ के लड़के मनोज की शादी में जाना और उनकी बहू के लिए अँगूठी की व्यवस्था रोहित की चिंता का मुख्य कारण था। उसे अच्छी तरह से याद था कि उसकी शादी में बुआ ने सुमन को मुँह दिखाई दे रूप में अँगूठी पहनाया था। अब, यदि सुमन उनकी बहू को अँगूठी नही पहनाती है, तो बुआ क्या सोचेंगी? उनके मन में सुमन के प्रति सम्मान का भाव नहीं रहेगा और अवसर पाने पर ताने मारने में भी वह नहीं चूकेंगी। बस, यही सोंचकर वह अन्दर ही अन्दर घुला जा रहा था। उसने स्कूल से भी मदद लेने की कोशिश की लेकिन विद्यालय प्रशासन ने बहाना बनाकर इंकार कर दिया। रोहित को कोई उपाय नहीं सूझ रहा था कि वह क्या करे? शादी में सप्ताह भर का समय ही शेष था। यह चिंता उसे परेशान किए जा रही थी। रोहित मन ही मन सोचने लगा था कि वह सुमन को शादी में ही न ले जाय, बहुत होगा बुआ नाराज हो होंगी। बाद में उन्हें अपनी समस्या बता दूँगा। नहीं.. नहीं, यह ठीक नहीं रहेगा। उन्हें ज्ञात हो जायेगा कि मैं बहाना बना रहा हूँ। और फिर.. इसी तरह वह प्रश्नों के सागर में डूबता–उतराता एक कुर्सी पर बैठे–बैठे न जाने कहाँ खोया हुआ था कि सुमन की आवाज सुनकर चौंक गया।

''आप फिर चिंतित हो गये ?'' रोहित को सुमन की मुस्कराहट से कुछ राहत तो मिली। किन्तु इसके पीछे का रहस्य समझ से परे था।

'सुमन! शादी में कुछ दिन ही बचे हैं और अभी तक अँगूठी के लिए रुपये की व्यवस्था नहीं हुई है। तुम तो जानती हो कि बुआ...' रोहित कुछ आगे बोल पाता कि सुमन ने उसकी बात काटते हुए कहा, ''आप चिंता न करें। बुआ को नाराज होने का अवसर नहीं मिलेगा'। रोहित कुछ बोलता कि सुमन ने एक चमकती डिबिया उसके हाथ में रख दिया और कहा, ''अब यह मत पूछियेगा कि यह कहाँ से आया। मैं जानती हूँ कि आप मेरे मान–सम्मान को लेकर बहुत चिंतित हैं। आपके सम्मान की रक्षा करना भी तो हमारा धर्म है।''

रोहित के नेत्र भर आये। उसे आभास हो गया कि डिबिया में अँगूठी है। उसने सुमन की तरफ देखा और फिर धीरे से डिबिया खोली। अँगूठी की चमक उसकी चिंता कम करने के बजाय उसे और बढ़ाने लगी। रोहित के मस्तिष्क में अनेक प्रश्न उसे कचोटने लगे। उसने धीरे से पूछा, ''सुमन.. इस अंगूठी का पैसा आया कहाँ से? प्लीज मुझे सच–सच बताओ।''

सुमन ने रोहित को सब सच–सच बता दिया। सच्चाई जानकर रोहित की आँखें छलक पड़ी। उसे अपनी पत्नी पर गर्व हो रहा था। आज उसके हृदय में सुमन के प्रति सम्मान बहुत बढ़ गया था। लेकिन रोहित इस बात से दुखी भी था कि सुमन ने अपने पास बची दोनों अँगूठी बेच दी थी।

तहसीलदार के फर्जी अर्दली को डीएम ने पुलिस कस्टडी में सौंपा

संवाददाता—देवरिया। बरहज तहसील में मंगलवार को आयोजित समाधान दिवस में पीड़ित की शिकायत पर जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने बरहज तहसीलदार के फर्जी अर्दली को पुलिस कस्टडी में सौंप दिया। प्राइवेट व्यक्ति से तहसीलदार के अर्दली का काम कराया जा रहा था। इसकी जानकारी होने पर डीएम अधिकारियों पर भी काफी खफा हुए। इस मामले में उन्होंने उपजिलाधिकारी व तहसीलदार से स्पष्टीकरण मंगा है।डीएम के सख्त तेवर से तहसील दिवस में हड़कंप मच गया। समाधान दिवस में मंगलवार को जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा समस्या सुन रहे थे। इसी बीच नंदना वार्ड पूर्वी निवासी रामायण प्रसाद ने शिकायत किया कि वह धारा 34 के निपटारे के लिए कई बार दिवस पर प्रतिवेदन दे चुके हैं। इस मामले के निपटारे के लिए तहसीलदार के अर्दली राजेश कुमार ने दस हजार की रिश्वत मांगी है। डीएम ने अर्दली को तलब किया तो पता चला कि प्राइवेट व्यक्ति से अर्दली का काम लिया जा रहा है। डीएम ने तत्काल अर्दली का टोपा उतरवा कर उसे पुलिस कस्टडी में सौंपते हुए मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया। मामले में उन्होंने एसडीएम अवधेश निगम और तहसीलदार अरुण कुमार से भी स्पष्टकरण मांगा कि किन हालात में निजी कर्मचारी रखा समाधान दिवस में बढ़या हरदो निवासी संजीव यादव ने शिकायत की कि गांव में आराजी संख्या 78 आर आर सी भवन बेड रहा है। उसी भूमि में हरा पेड़ था जिसे लेखपाल ने बिना वन विभाग की अनुमति के कटवा दिया। लेखपाल चंद्रशेखर द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं देने पर डीएम ने उन्हे निलबित करने का निर्देश दिया। जनता इंटर कालेज गोला में शिक्षक अभिभावक संघ के शुल्क में प्रधानाचार्य द्वारा वित्तीय अनियमितता की शिकायत पर कार्रवाई न होने की शिकायत पर जिला विद्यालय निरीक्षक को कड़ी फटकार लगाई। डीएम के तेवर प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

स्वामी प्रसाद मौर्य को कुशीनगर की सीजेएम अदालत का समन, 28 फरवरी को किया तलब

संवाददाता—कुशीनगर। दो दिन पहले ही पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा से अलग होकर नयी पार्टी बनाने की निर्णय लिया है। अब कुशीनगर की सीजेएम अदालत ने उन्हें समन जारी कर 28 फरवरी को कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया है। मामला चुनाव आचार संहिता व निषेधाज्ञा के उल्लंघन का है। उस मामले में रामकोला थाने में उन पर 2022 में एफआईआर दर्ज हुई थी। इस मामले में अब तक वह अदालत में हाजिर नहीं हुए हैं। वर्ष—2022 में 28 फरवरी को रामकोला थाने के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने खुद एफआईआर दर्ज करायी थी, जिसमें बताया था कि उस दिन वह अपने हमराहियों के साथ विधानसभा चुनाव को देखते हुए भ्रमण पर थे। रात करीब 11 बजे थाना क्षेत्र के कुसम्हा गांव में रामकोला विस प्रत्याशी पूर्णमासी देहाती के पक्ष में झंडा लगाकर ध्वनि विस्तारक यंत्र से स्वामी प्रसाद मौर्य सभा कर रहे थे। प्रचार कर रहे थे। मौके पर पहुंच कर चेक किया गया तो बिना परमिशन स्वामी प्रसाद मौर्य नुक्कड़ सभा कर रहे थे। यह आचार संहिता व जिले में इसे लेकर लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन है। इस मामले को लेकर अदालत में सुनवाई चल रही है। सीजेएम पडरौना की अदालत ने इस मामले में श्री मौर्य के खरौआ कुआं, थाना ऊंचाहार, जिला रायबरेली स्थित मूल पते समन भेजते हुए आदेश दिया है कि उक्त मामले में आप स्वयं अधिवक्ता द्वारा 28 फरवरी 2024 को हाजिर हों।

बेटे का एक फोन सुन पिता के पैरों तले खिसक गई जमीन, सच आया सामने तब तक हो चुकी थी देर

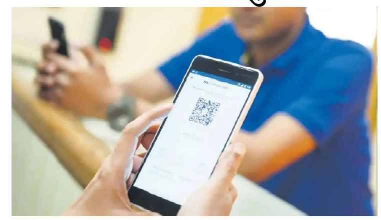

संवाददाता—गोण्डा। हैदराबाद में बीटेक की पढ़ाई कर रहे बेटे के पिता के पास व्हाट्सएप के जरिए एक कॉल आई। फिर मैसेज के जरिए सूचना मिली। सूचना पढ़ते ही पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। वह अपने बेटे को बचाने के लिए गिड़गिड़ाने लगा। फोन करने वाले ने बताया कि तुम्हारे बेटे के खिलाफ गैंगरेप का मुकदमा लिख गया है। जब तक सच सामने आता उससे पहले पिता ने संबंधित को लाखों रुपए खाते से ट्रांसफर कर दिए।

बीटेक की पढ़ाई कर रहे बेटे के बाप को व्हाट्सएप कॉल और मैसेज के जरिए सूचना दी गई कि उसके बेटे के खिलाफ गैंगरेप का मुकदमा दर्ज हुआ है। जिससे पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। पिता फोन करने वाले शख्स के सामने बचाव के लिए गिड़गिड़ाने लगा। तब फोन करने वाले शख्स ने आश्वासन देते हुए रुपए खर्च करने की बात कही। इसके बाद पीड़ित पिता ने बेटे के बचाव में अलग अलग किस्तों में लगभग पांच लाख रुपया ट्रांसफर कर दिया। लेकिन जब उसकी अपने लड़के से बात हुई। तब उसे फिर एक और झटका लगा। इसके बाद पीड़ित पिता ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी कर दिया।

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले अंतर्गत रुदौली थाना क्षेत्र के रहने वाले राजेश के शिकायती पत्र पर रुदौली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में पीड़ित पिता ने कहा है कि 17 फरवरी को उसके व्हाट्सएप नंबर पर फोन आया कि उसका लड़का तीन लड़कों के साथ 376 का आरोपी बना है। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। फोन करने वाले ने यह भी कहा कि लड़के को बचाना चाहते हो तो रुपए भेजो। तब आपके लड़के को छोड़ दूंगा। आपका लड़का मेरे पास है। पीड़ित पिता का आरोप है कि उसका लड़का हैदराबाद में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। अज्ञात व्यक्ति ने डरा धमका कर अलग—अलग किस्तों में गूगल पे व बैंक के खाते में धोखाधड़ी करके कुल चार लाख नब्बे हजार रुपए हड़प लिया। रुपए भेजने के बाद पीड़ित पिता ने हैदराबाद में पढ़ रहे लड़के से दूरभाष पर बात किया तब उसे अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। बीटेक की पढ़ाई कर रहे लड़के ने बताया कि वह कॉलेज में है। सब ठीक—ठाक है। इसके बाद पीड़ित पिता भाग कर बैंक पहुंचा। बैंक मैनेजर से रुपए रोकने की गुहार लगाई। जिस पर बैंक मैनेजर ने तत्काल दो खाता पर ढाई लाख रुपए पर रोक लगा दिया। इसके बाद पीड़ित पिता ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई। मामले में रुदौली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

225 रनों से मुरादाबाद ने जीता मुकाबला

संवाददाता—बहराइच। अंडर—19 देवीपाटन चौलेंज कप राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को छठवें दिन डीएसए मुरादाबाद एवं डीसीए बहराइच ब्लू के बीच मुकाबला खेला गया। सुबह टॉस जीतकर मुरादाबाद के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 35 ओवर में मुरादाबाद की टीम ने चार विकेट के नुकसान पर 310 का बड़ा स्कोर बनाया। मुरादाबाद की तरफ से आर्यन ने 80, उस्मान ने नाबाद 86 एवं कप्तान अक्षु बाजवा ने 22 गेंदों में 57 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। बहराइच ब्लू की तरफ से सत्यम ने 02, देव एवं रोहित ने 1—1 विकेट लिए। 310 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए बहराइच ब्लू की पूरी टीम 20 ओवरों में 85 रनों पर आल आउट हो गई। बहराइच की तरफ से देव ने 21 रनों का योगदान दिया। मुरादाबाद ने 225 रनों से यह मुकाबला जीत लिया। मुरादाबाद की तरफ से शहनवाज ने 05, तुषार ने 03 एवं हर्षित ने एक विकेट लिया। शहनवाज को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच की अंपायरिंग मनीष बंसल एवं नीरज शुक्ला ने की। आशुतोष बाजपेई स्कोरर के भूमिका में रहे। आंखों देखा हाल गोविंद चौहान ने सुनाया। इस अवसर पर इशरत महमूद खान, चांद क्रिकेटर,सुनील कुमार राय, हरेंद्र वेदवान, अटल सिंह, आयुष चित्रांश, अभिषेक शुक्ला, मनीष सिंह, खैराती, कुशमेंद्र सिंह एवं अन्य क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे। बुधवार को सुल्तानपुर व मुरादाबाद के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

बदमाशों ने असलहा दिखाकर अधिवक्ता की पत्नी व मां से जेवर लूटे

संवाददाता—देवरिया। नगर पंचायत लार के एक वार्ड में मंगलवार की दोपहर बदमाशों ने एक अधिवक्ता की मां और पत्नी को असलहा दिखाकर आभूषण लूट लिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लार थाना क्षेत्र के नदौली गांव निवासी प्रियेश नाथ त्रिपाठी देवरिया न्यायालय में अधिवक्ता हैं। प्रियेश का एक मकान लार थाना क्षेत्र के गयागिर वार्ड लार में भी बना हुआ है। वे अपनी पत्नी बन्दना त्रिपाठी व माता शैल देवी व भाई पदमेश त्रिपाठी के साथ गयागिर वार्ड में बने आवास पर रहते हैं। मंगलवार की सुबह वह देवरिया न्यायालय चले गए। मंगलवार की दोपहर लगभग 12 बजे के आसपास एक बाइक पर सवार दो युवक उनके घर पहुंचे। बाइक सवार एक युवक ने पहले मकान पर लगी घंटी बजाया। उसके बाद बाहर लगे गेट को खोलकर अंदर चला गया। अंदर से अधिवक्ता की माता बाहर निकली तो उनसे बातचीत करने लगा। उसके बाद बैग से निकाल कर कुछ सामान दिखाने लगा।

उन्होंने कहा कि कोई सामान नहीं लेना है तो वह बैठ गया और पानी मांगा। घर से अधिवक्ता की पत्नी बंदना पानी लेकर पहुंची। उसी दौरान बाहर खड़ा एक दूसरा बदमाश भी उनके घर के अंदर आ गया। बदमाशों ने असलहा दिखाते हुए अधिवक्ता के मां की सोने की चेन व कान के बाली व उनकी पत्नी के कान के बाली लूट लिया और फरार हो गए।

घटना की सूचना पर पहुंची लार पुलिस ने अधिवक्ता के घर में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। थानेदार कपिलदेव चौधरी ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे से फुटेज को खंगाल जा रहा है। बहुत जल्द घटना का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

सम्पूर्ण विश्व का कल्याण करते हैं महादेव —पंडित प्रदीप मिश्रा

संवाददाता—कुशीनगर। शिव महापुराण कथा विश्व के कल्याण की कथा है। बुद्ध स्थली कुशीनगर में हम सभी को कथा श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। सम्पूर्ण विश्व का कल्याण, पतित पावन करने वाले देवाधिदेव महादेव हैं। उक्त बातें बुद्ध स्थली कुशीनगर में चल रहे सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के छठवें दिन अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा सिहोर वाले ने शिव की महिमा का गुणगान करते हुए कही। कहा कि कुशीनगर बुद्ध की पवित्र भूमि है। जहां शिव कृपा से कथा हो रही है। शिव कृपा से ही हम महादेव के नजदीक पहुंच रहे है तो माने शिव की करुणा, दया, उदारता है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए कहा कि आपको किसी ने निमंत्रण नहीं भेजा लेकिन शिव से अपका नेह ऐसा है कि आप शिव कथा की सूचना मिलते ही दौड़े आते हैं। शिव के डमरू की नाद के बल पर शंकर के भक्त खिंचे चले आते हैं। भक्ति नौ होती है। जिसको नवदा भक्ति कहते हैं। भक्ति में वो शक्ति है कि विश्वास, श्रद्धा, भरोसा कर लिया तो डिगता नहीं। बारह ज्योतिर्लिगों का वर्णन करते हुए कहा कि जिस घर में शिवलिंग न हो वहां का जल, भोजन पवित्र नहीं होता। देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा करनी होती है। केवल नर्वदेश्वर देव महादेव स्वयं भू प्रतिष्ठित है। शिव को जहां रखा प्रतिष्ठित हो गए। उनके प्रतिष्ठा की जरूरत नहीं होती। शिहोर से कंकर शंकर लाकर घर मे पूजन करते हो और तीन माह बाद कंकर को देखोगे तो उनमें शिव का दीदार होता है। टुकड़ा भी हो जाये तो अखंड शिवलिंग होता है। आप भरोसा रखो, जो हमारी परवाह करता है, हमारी आसक्ति प्रेम उससे जुड़ती है। बहन, भाई, पत्नी, मित्र जो आपके लिए सोचता है। शिवालय में जाने का कारण आप शंकरजी की परवाह करने लगे। तो शिव तुम्हारे सामने होंगे। शिव साधारण नहीं वो कुबेरेश्वर भंडारी बारह ज्योतिर्लिंग के बीच में विराजमान हैं। अपना कर्म करो और शिव पर विश्वास रखो, एक लोटा जल व बेलपत्र चढ़ाओ वो तुम्हारा कल्याण करेगा। शिव महाकाल, मृत्युंजय, सर्वेश्वर हैं। कहा कि मनुष्य दो समय अकड़ता है। एक ठंड में व एक घमंड में। ठंड लगती है तो कम्बल और घमंड तोड़ने के लिए शिव की सुमक्ति से। कथा प्रारम्भ के अवसर पर कथा वाचक पंडित मिश्रा ने मुख्य यजमान विधायक पीएन पाठक, पूनम पाण्डेय, ओमप्रकाश पाण्डेय ने व्यास गद्दी का पूजन किया। विधायक पाठक ने कथा वाचक का माल्यार्पण व अंगवस्त्र ओढाकर सम्मानित किया।

एकजुट होकर महिला को पीटा, तीन पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता—गोण्डा। थाना क्षेत्र के ढोढियापारा गांव में मंगलवार को तीन महिलाओं ने एक महिला की जमकर पिटाई की। पीड़िता रेशमा पत्नी अशोक चौहान ने थाने में दी तहरीर में कहा है कि मनीषा पत्नी शिवकुमार चौहान, सुमन पत्नी पुटटूर चौहान व सीमा चौहान पुत्री पुटटूर चौहान ने उसके दरवाजे पर आकर अपशब्द कहते हुए लाठी—डंडो से पीटा। इससे उसे काफी चोटें आई हैं। एसओ अभय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

जंगल में टहल रहे हिरन पर कुत्ते ने किया हमला

संवाददाता—गोण्डा। मंगलवार को सोठिया के गांव के पास में स्थित जंगल में एक हिरन को कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया। इससे उसकी हालत गंभीर हो गई।

बताया जाता है कि हिरन में जंगल में टहल रहा था कि अचानक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। नर्सरी में काम कर रहे हैं लोगों ने जब देखा तो हिरन को बचाया। सूचना पर पहुंचे वनरक्षक देवनारायण पांडे ने पशु चिकित्सक को बुलाकर हिरन का इलाज कराया। बताया कि उसकी हालत में सुधार है।

तहसील दिवस का हाल, 212 में सिर्फ 27 मामले मौके पर निपटे

संवाददाता—बहराइच। लंबे समय से अनसुलझे मामलों को सुलझाने की उम्मीद लेकर मंगलवार को तहसील दिवस में फरियाद लेकर पहुंचे 212 फरियादियों में 27 का ही आपसी सुलह—समझौते से मामला निस्तारित करने में अधिकारी सफल रहे। अवशेष फरियादियों को इस बार भी जल्द मामला सुलझाने का आश्वासन देकर अधिकारियों ने लौटा दिया। हालांकि डीएम मोनिका रानी ने एसडीएम को तहसील दिवस में आए सभी मामलों का त्वरित निस्तारण कराकर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश जरूरी दिए हैं।

जिले की छह तहसीलों में इस बार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को लेकर शनिवार के बजाय मंगलवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम ने सीडीओ रम्या आर के साथ सदर तहसील में फरियादियों की समस्याएं सुनी। अन्य तहसीलों में एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजन हुआ। डीएम के पटल पर 30 फरियादियों ने अपनी समस्या रखी। इस पर पांच का मौके पर निस्तारण कराया गया। डीएम ने अवशेष 25 मामलों को जल्द निपटारे के लिए एसडीएम सदर प्रिंस वर्मा को निर्देश दिया। अन्य तहसीलों में भी मौके पर सुलह समझौते के नाम पर सिर्फ दो से तीन मामले ही निस्तारित हो पाए। छह तहसीलों में कुल 212 मामले आए। इनमें 27 मामलें ही निस्तारित हो पाए। 185 मामला रखने वाले फरियादियों को यह कहकर वापस कर दिया गया, कि जल्द ही मौके की स्थिति देखकर निस्तारण कराया जाएगा। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अन्त में सीडीओ ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व बच्चों को अन्नप्राशन कराया। डीएफओ बहराइच संजय कुमार, सीएमओ डॉ. राजेश गौतम, डीडीओ महेन्द्र कुमार पाण्डेय, पीडी डीआरडीए राजकुमार, उप निदेशक कृषि टीपी शाही, डीपीआरओ राघवेन्द्र द्विवेदी, डीपीओ राज कपूर, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमा शंकर गुप्ता मौजूद रहे।

नानपारा तहसील में एसडीएम अश्वनी पांडे की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें 28 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 03 का निस्तारण मौके पर किया गया। ग्राम सिलेटन गंज ग्राम प्रधान गुड्डू एवं फौजदार वर्मा के नेतृत्व में दो दर्जन ग्रामीण महिला पुरुष तहसील नानपारा में एकत्रित हुए और उन्होंने जल निकासी की समस्या का समाधान करने की मांग की। ग्रामीणों की शिकायत पर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया। तहसील समाधान दिवस में तहसीलदार प्रद्युम्न कुमार, नायब तहसीलदार हर्षित पांडे, शैलेश अवस्थी, सुरेंद्र वर्मा के अतिरिक्त अन्य कई विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

तहसील सभागार में 76 प्रार्थना पत्र आए जिसमें से 11 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया, शेष प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए गए। एसडीएम पंकज दीक्षित व पुलिस क्षेत्राधिकार रुपेंद्र गौड़ की अध्यक्षता में आयोजित इस संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकतर शिकायतें राजस्व,स्वास्थ्य व विकास विभाग से संबंधित आई। जिनके निस्तारण को एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को दिशा— निर्देश दिए। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी शिवम द्विवेदी, खंड विकास अधिकारी सत्य प्रकाश पांडे सहित तमाम अधिकारीगण मौजूद रहे।

शासन के कड़े रुख के बाद में अधिकारियों के माथे पर पड़े बल

संवाददाता—गोंडा। जिले के ग्राम पंचायतों में राशन वितरण व्यवस्था को चुस्त—दुरुस्त करने लिए अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कराया जाएगा। सभी ब्लॉकों में पांच—पांच अन्नपूर्णा भवन निर्माण का लक्ष्य तय किया गया था। जिले में 36 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण अभी अधूरा है। जबकि, 44 अन्नपूर्णा भवन में पेंटिंग सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं। निर्माण में बेहतर प्रगति न होने पर जिम्मेदार अधिकारियों को कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। मौजूद वित्त वर्ष के शेष बचे 40 दिनों में भवन का निर्माण पूर्ण कराने में सभी का पसीना छूट रहा है। जिले के 16 विकास खंडों में 75 अन्नपूर्णा भवन के निर्माण का काम चल रहा है। जानकारों की मानें तो जो तेजी इन दिनों दिखाई जा रही है वह पहले होती तो ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। इससे पहले कई मीटिंग में अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण को लेकर चेतावनी भी दी गई थी। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक 44 भवन पूर्ण बताए जा रहे हैं। अब अधिकारी मौके पर जाकर इन भवनों का निरीक्षण करके वास्तविकता परखने में जुटे हैं। जिले के सभी विकास खंडों में अन्नपूर्णा भवनों की स्थिति अलग—अलग दिखाई गई है। कहीं पर पेंटिंग बाकी है तो कहीं वायरिंग का काम अभी चल रहा है। कुछ जगहों पर छत नहीं पड़ी तो कहीं अभी नींव स्तर पर मामला अटका हुआ है। जिले में 80 अन्नपूर्णा भवन का निर्माण करीब सवा सात करोड़ की धनराशि से होना है। इसका निर्माण मनरेगा के तहत कराया जा रहा है। जानकारों की माने तो शुरुआती दौर में मनरेगा के अधिकारियों ने इस तरफ ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा। इससे अब भवन के निर्माण में परेशानी उठानी पड़ रही है। जिले में अन्नपूर्णा भवन के निर्माण का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। करीब 44 भवन का निर्माण पूर्ण हो चुका है शेष को भी समय से पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

विपक्ष मुद्दा विहीन फिर से बनेगी भाजपा सरकार —वैभव

संवाददाता—गोंडा। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह ने कहा कि विपक्ष मुद्दा विहीन है। उसके समझ में नहीं आता कि क्या किया जाए। भाजपा की डबल इंजन की सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर जनता एक बार फिर से केंद्र में भाजपा की सरकार बनाने जा रही है। भाजपा की नीतियों से सभी वर्गों के लोगों को फायदा पहुंच रहा है।

भाजयुमो के राष्ट्रीय महामंत्री मंगलवार को पार्टी के गांव चलो अभियान में शिरकत कर रहे थे। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ लोकसभा क्षेत्र गोंडा के हारीपुर, मुसौली ,कपूरपुर ग्राम सभा में लोगों से संपर्क कर पत्रक बांटे। यही नहीं उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा चलाए गए योजनाओं के बारे में लोगों से चर्चा भी किया। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव में पदाधिकारियों से बढ़—चढ़कर हिस्सा लेने का भी आह्वान किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष नीरज मोर्य, मंडल अध्यक्ष अभिषेक दत्त त्रिपाठी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सचिव वाल्मीकि, युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी, राघव प्रधान, संदीप चौबे, बृजपाल वर्मा, बब्लू शुक्ला, श्रीधर शुक्ला, दीनानाथ यादव,बिंदेश्वरी पाल, बिंदेश मिश्रा, दुर्गा प्रसाद चौबे, कुद्दू चौबे,जगदीश यादव उपस्थित रहे।

आभूषण की दुकान में 10 लाख की चोरी, दुकानदारों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—देवरिया। बनकटा थाना क्षेत्र के रामपुर बुजुर्ग स्थित पुलिस चेकपोस्ट के सामने एक आभूषण की दुकान में चोरों ने नकब काटकर 10 लाख से अधिक की चोरी की वारदात की है। घटना सोमवार की रात की है। घटना की जानकारी मंगलवार को सुबह दुकान खोलने पहुंचे दुकानदार को हुई। आक्रोशित दुकानदारों ने चोरी के विरोध में मझौली — मैरवा सड़क को जाम कर करीब एक घन्टे प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष बनकटा अमित राय के आश्वासन पर लोगों ने जाम हटाया। पुलिस फोरेंसिक टीम व डॉग स्क्वाड की मदद से छानबीन कर रही है।

बनकटा थाना क्षेत्र के बंजरिया निवासी शिवसागर पुत्र भगवान वर्मा की रामपुर बुजुर्ग पुलिस चेक पोस्ट के सामने अंजली ज्वेलर्स के नाम से आभूषण की दुकान है। पुलिस को दिए तहरीर में दुकानदार ने बताया है कि मंगलवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे दुकान खोलने पहुचा था। दुकान का शटर खोला तो अंदर का सभी सामान बिखरा पड़ा हुआ था। पीछे से दीवाल काट कर चोर दुकान में रखा 20 हजार नकदी दो सौ ग्राम सोना, साढ़े सात सौ ग्राम चांदी पुराना, साढ़े सात सौ ग्राम सोना चांदी बंधक जो करीब दस लोगो का रखा था इसके अलावा एक लाख बीस हजार का सोने का हार सेट सहित अन्य सामान चोर चुरा लिए है। इसकी तहरीर देकर दुकानदार ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए सामान बरामद करने की मांग की है। थानाध्यक्ष बनकटा अमित राय ने बताया कि फोरेंसिक टीम व डॉग स्क्वायड मौके पर छानबीन कर रही है।

विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—गोंडा। इटियाथोक थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत रमवापुर नायक में पति—पत्नी के बीच विवाद के बाद महिला का शव संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। सीओ शिल्पा वर्मा और मजिस्ट्रेट ने पीड़ित परिजनों से पूछताछ की। फोरेंसिक टीम ने मौके पर छानबीन की है। पुलिस ने विवाहिता पिता के तहरीर पर पति सहित चार अन्य लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज लिया है।

मामला कोतवाली इटियाथोक के ग्राम पंचायत रामवापुर नायक के मजरा जियाउकपुरवा का है। गांव के राजेश कुमार की शादी मैना देवी के साथ तीन वर्ष पहले हुई थी। ससुरालवालों के मुताबिक पति—पत्नी के बीच आए दिन किसी बात को लेकर लड़ाई—झगड़ा होता रहता था। सोमवार की रात भी दोनों के बीच विवाद हुआ। देररात राजेश कुमार की पत्नी अपने कमरे से उठ कर बगल के कमरे में गई जहां उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी के सहारे लटकता मिला।

सूचना पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा और मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए गोंडा भेजा गया। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने जांच—पड़ताल की। प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक निर्भय नारायण सिंह ने बताया मृतका के पिता जोग बहादुर निवासी शक्तिपुरवा ढोंगी पूरेसुकाली थाना धानेपुर ने नामजद तहरीर दी है। इसके आधार पर पति राजेश कुमार सहित चार अन्य लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में नामजद सभी आरोपियों की तलाश की जा रही है।

साफ्टवेयर खराबी के कारण खड़ी हो गई एक्सरे मशीन

संवाददाता—गोंडा। बाबू ईश्वर शरण अस्पताल की सीटी स्कैन के बाद अब एक्सरे मशीन भी खराब हो गई है। बताया जाता है कि मंगलवार सुबह एक्सरे मशीन का साफ्टवेयर खराब हो गया, जिससे मशीन ने काम करना बंद कर दिया। लाइन में लगे मरीजों को या तो बैरंग लौटना पड़ा या फिर महंगे दामों में बाहर से जांच कराना पड़ा। वहीं बड़ी मशीन खराब होने के बाद छोटी पोर्टेबल मशीन से जरूरी एक्सरे जांच की जाने लगी लेकिन कुछ देर बाद वह भी दगा दे गई। उसकी बैट्री डिस्चार्ज होने के कारण जांच का काम प्रभावित रहा।

बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में मशीनों की खराबी और मरम्मत में आने वाले व्यवधान से लोग हलकान हो रहे हैं। अस्पताल की सीटी स्कैन मशीन कई महीनों से खराब चल रही है। मरम्मत के लिए जिम्मेदार फर्म ने हाथ खड़े कर लिए हैं। वहीं एक्सरे की मशीन भी अक्सर हैंग हो जाती है। मंगलवार को एक हजार एमएम की बड़ी एक्सरे मशीन का साफ्टवेयर करेप्ट हो गया। एक्सरे के लिए लाइन में लगे लोगों को मशीन खराबी की सूचना दे दी गई। वहीं कुछ जरूरी एक्सरे का कार्य छोटी पोर्टेबल मशीन से किया जाने लगा। बताया जाता है कि इसकी बैट्री भी डिस्चार्ज हो गई, जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

व्यवस्था को कोसते नजर आए तीमारदार, बाहर से कराया एक्सरे रू एक्सरे मशीन खराब होने के बाद अस्पताल आए मरीज व तीमारदार व्यवस्था को कोसते नजर आए। धानेपुर के पूरे दत्तई से आए अरुण कुमार ने बताया कि वह अपने एक रिश्तेदार के लड़के का हाथ टूट जाने के कारण अस्पताल लेकर आए थे लेकिन मशीन खराब हो जाने के कारण बाहर से जांच करा रहे हैं। वहीं खरगपुर के राम प्रसाद ने व्यवस्था पर सवाल उठाया। कहा कि सालभर से सीटी स्कैन मशीन खराब है।

लोगों को बाहर से 3500 रुपये में जांच करानी पड़ती है। अब एक्सरे मशीन भी खराब हो जाने से लोगों को और भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस संबंध में प्रमुख चिकित्साधीक्षक डॉ. अनिल तिवारी ने बताया कि एक्सरे मशीन खराबी की सूचना मरम्मत करने वाली फर्म को दे दी गई है। जल्द ही मशीन ठीक करा दी जाएगी।

रामलला के दरबार पहुंची उत्तराखंड सरकार, सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कैबिनेट संग किए दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार आज राम नगरी पहुंची है। रामलला के दर्शन के लिए 12 सदस्यों वाली कैबिनेट अयोध्या आई। राम लला के दर्शन के बाद हनुमानगढ़ी भी दर्शन किए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार राम नगरी पहुंची। उत्तराखंड सरकार मंगलवार को अयोध्या पहुंची। सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में पूरी कैबिनेट ने राम लला के दर्शन किए। रामलला के दर्शन के लिए 12 सदस्यों वाली कैबिनेट अयोध्या पहुंची थी। कैबिनेट सुबह 11.30 पर राजकीय विमान से महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड हुई। एयरपोर्ट पर प्रशासन व भाजपाइयों ने सीएम धामी संग कैबिनेट का स्वागत किया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में 12 सदस्यों वाली कैबिनेट ने मंगलवार को रामलला के दर्शन किए। सुबह लगभग 11:30 बजे राजकीय विमान से उत्तराखंड की कैबिनेट महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंची। जिलाधिकारी नीतीश कुमार एवं एस एसपी राजकरण अय्यर ने उनका स्वागत किया। जिला प्रशासन के साथ ही साथ भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने उनका उत्साह पूर्वक स्वागत किया। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह एवं महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने पुष्प भुज देकर उनका स्वागत किया।

कैबिनेट की फ्लीट एक ई बस के जरिए गेट नंबर 11 से दोपहर 12:30 बजे राम मंदिर में प्रवेश किया। इसके बाद उत्तराखंड की कैबिनेट ने हनुमानगढ़ी के दर्शन का भी कार्यक्रम रखा। मुख्यमंत्री के संग सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल, डॉ धन सिंह रावत, रेखा आर्य एवं राज्यसभा सांसद नरेश बंसल भी रहे। हनुमानगढ़ी में पूजा अर्चना के बाद देर शाम सीएम और उत्तराखंड कैबिनेट देहरादून वापस लौटेगी। इस दौरान सीएम ने कहा कि रामलला के दर्शन के पूर्व ही रोम–रोम भक्तिमय और मन प्रफुल्लित है। बता दें कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद ही सीएम धामी और उनके मंत्रियों के साथ अयोध्या जाकर दर्शन करने की तैयारी थी, लेकिन अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ होने के कारण मुख्यमंत्री ने अयोध्या जाने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। पूरे भारत से अलग–अलग राज्यों की सरकार अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन को पहुंच रही है।

जब तक शरीर स्वस्थ है तभी तक कल्याण का उपाय कर लेवें

–भारतीय बस्ती संवाददाता– मुंडेरवा। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम दीक्षापार में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर कहा की आमतौर पर हम सोचते हैं कि जब उम्र हो जाएगी तब भगवान की भक्ति करेंगे तथा तीर्थाटन, कथा, प्रवचन को समय देंगे स्वस्थ शरीर है तो खूब धन कमा लो किंतु जब शरीर किसी काम का नहीं रहेगा तो भजन भी नहीं कर पाएगा तीर्थ भी नहीं कर पाएगा। उक्त प्रतिक्रिया महाकाल से पधारे महामृत्युंजय पीठाधीश्वर स्वामी प्रणव पुरी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।

महाराज जी ने कहा की भगवत प्राप्ति स्वस्थ शरीर में ही करने का प्रयास करें क्योंकि समय का ठिकाना नहीं है। कथा का विस्तार करते हुए महाराज जी ने बताया कि यह जीवन एक समुद्र मंथन के समान ही है देवता और दैत्य दोनों शरीर में हैं। दैत्य मदिरा चाहते हैं और देवता अमृत। हमें अपनी दैवीय संपदा को बढ़ावा देना होगा। महाराज जी ने कहा वह भगवान की शरण गति से ही संभव होगा। यही कारण था कि एक ही स्थान पर एक ही समय पर समान बलऔर सामान परिश्रम देवता और दैत्य दोनों ने किया किंतु अमृत केवल देवताओं को मिला क्योंकि वह शरणागत थे। महाराज जी ने कहा आज भगवान श्री राम जन्म और श्री कृष्ण जन्म का आनंद भी सब ने लिया। महाराज जी ने बताया कि जब भी सनातन धर्म पर आघात होता है तब भगवान अवतार लेकर पृथ्वी की रक्षा करते हैं। श्री कृष्ण का अवतार धर्म की स्थापना दुष्टों का संघार एवं साधुओं की रक्षा हेतु हुआ है। मुख्य यजमान के रूप में रूप में कैप्टन रमाकांत शुक्ल, श्रीमती चंद्रावती देवी, तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ प्रवचन के समय उमाकांत शुक्ल, शशिकांत शुक्ल, अमित शुक्ल, लक्ष्मीकांत शुक्ल, त्रिपुरारी पांडेय,राम अवध पांडे, रामचंद्र शुक्ल, चिंता हरण शुक्ल, मोहन शुक्ल मेवालाल शुक्ल, सहित तमाम महिला व पुरुष उपस्थित रहे। कथा के मुख्य आयोजक उमाकांत शुक्ल ने समस्त क्षेत्र वासियों से कथा श्रवण करने की अपील किया है।

4500 विद्यार्थियों को मिलेगा स्मार्टफोन व टैबलेट का उपहार, सीएम योगी के हाथों होगा वितरण

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को साढ़े चार हजार विद्यार्थियों को स्मार्टफोन व टैबलेट वितरण समारोह में शामिल होकर जीवन में सफलता हासिल करने के लिए युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। तीन हजार छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोन तथा डेढ़ हजार को टैबलेट वितरित किया जाएगा। वितरण समारोह में सीएम योगी कुछ विद्यार्थियों को अपने हाथों से स्मार्टफोन व टैबलेट प्रदान करेंगे। यह कार्यक्रम रामगढ़ताल के सामने स्थित महंत दिग्विजयनाथ पार्क में होगा। इसी दिन सीएम योगी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी के आयकर विभाग गोरखपुर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे।

सीएम योगी की मौजूदगी में अभी 28 जनवरी को गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एक हजार युवाओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया था। एक बार फिर वह 22 फरवरी को साढ़े चार हजार युवाओं के स्मार्टफोन व टैबलेट वितरण समारोह में शामिल होंगे। राज्य सरकार की इस योजना के अंतर्गत गोरखपुर में योजना के प्रारम्भ वर्ष 2021–22 से अब तक 78,873 छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार (21 फरवरी) को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) की कालेसर आवासीय टाउनशिप योजना को लांच करेंगे। साथ ही उनके हाथों एसडी इंटरनेशनल की 230 करोड़ रुपये के निवेश वाली यूनिट (प्लास्टिक रिसाइक्लिंग प्लांट एवं फूड पैकेजिंग कंटेनर यूनिट) का शिलान्यास तथा गीडा की 90 करोड़ रुपये की लागत वाली 18 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी होगा।

गीडा सेक्टर 13 में 42284 वर्गमीटर में बनने वाली एसडी इंटरनेशनल की इस यूनिट से करीब साढ़े सात सौ लोगों को रोजगार मिलेगा। गीडा की जिन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण होना है उनमें औद्योगिक गलियारा सेक्टर 27 व 28 में करीब 35 करोड़ रुपये से अधिक के नौ कार्य शामिल हैं। जबकि गीडा के सेक्टर 11 में 54 करोड़ रुपये से अधिक के नौ कार्यों का शिलान्यास होना है।

यह कार्यक्रम कालेसर (गीडा सेक्टर 13) में होगा। गीडा के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने 80 एकड़ में कालेसर व्यावसायिक परियोजना को लांच किया था। अब 120 एकड़ में आवासीय परियोजना लांच की जाएगी। आवासीय योजना से गीडा को 650 करोड़ रुपये की आय संभावित है। आवासीय परियोजना में छोटे, मध्यम और बड़े आकार के भूखंड होंगे।

कालेसर में व्यावसायिक एवं आवासीय परियोजना कनेक्टिविटी के लिहाज से नायाब है। यह गोरखपुर के जीरो पॉइंट पर स्थित है। इसकी कनेक्टिविटी एनएच–28, कुशीनगर राजमार्ग एवं सोनौली राजमार्ग से है। कालेसर में ही एक अंतरराज्यीय बस टर्मिनल बनाने की भी योजना है।

घर से निकली किशोरी गायब, अपहरण का मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर बुदहट क्षेत्र के एक गांव की एक किशोरी के पिता ने थाना पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के एक गांव की एक 14 वर्षीय किशोरी के पिता ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 18 फरवरी को शाम सात बजे के करीब हमारी लड़की घर से बाहर निकली। देर रात तक जब घर वापस नहीं लौटी तो इधर–उधर नात रिश्तेदारों के यहां काफी खोजबीन करने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं लगा तो हार थक कर सोमवार को अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष विशाल कुमार उपाध्याय ने बताया कि किशोरी के पिता की तहरीर पर अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

मायके में विवाहिता ने फंदे से लटककर दे दी जान

संवाददाता–संतकबीरनगर। थाना क्षेत्र के गजौली में एक विवाहिता ने मायके में फंदे से लटककर जान दे दी। विवाह होने के नौ महीने के भीतर ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के समय घर में परिजन मौजूद नहीं थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की मां कतयारी पत्नी रामजी निवासी गजौली (बखिरा) ने बताया कि छोटी बेटी पूजा (22) की शादी 12 जून 2023 को कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के चकदहां गांव में हुई थी। 18 फरवरी को पड़ोसी के घर विवाह होने की वजह से वह खाना बनाने गई थी। घर में बेटी अकेली थी। पड़ोसी के घर जाते समय बेटी दामाद से मोबाइल पर बात कर रही थी। रात में करीब 10 बजे घर वापस आने पर बेटी को आवाज दिया। कमरा बन्द होने पर खिड़की से देखा कि बेटी फंदे से लटकी हुई है। आवाज देकर पड़ोसियों को बुलाया। दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया। थानाध्यक्ष श्यामभोहन ने बताया अभी घटना के कारण का पता नहीं चल सका है। नायब तहसीलदार मेंहदावल की मौजूदगी में शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम में भेज दिया गया।

पुलिस भर्ती परीक्षा रद कराने और पेपर लीक की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग

संवाददाता–संतकबीरनगर। विभिन्न कॉलेजों में सम्पन्न हुई पुलिस भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक होने का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन कर परीक्षा रद करने की मांग की है। भारी संख्या में पुलिस भर्ती की परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी धनघटा तहसील कार्यालय पहुंच गए और जोरदार प्रदर्शन कर पेपर लीक की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग की है।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कार्यक्रम में नहीं मिली कुर्सी तो छलका पूर्व मंत्री धर्मराज का दर्द

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर नगर में एक दिन पहले आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कार्यक्रम में कुर्सी न मिलने पर पूर्व मंत्री धर्मराज निषाद का दर्द छलक पड़ा। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों सहित पार्टी पदाधिकारियों पर भी अपनी उपेक्षा का आरोप लगाया है। उनकी नाराजगी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सोमवार को अकबरपुर नगर के शिवाय लॉन में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कार्यक्रम का आयोजन था। इसमें अधिकारियों के साथ ही जनप्रतिनिधि व उद्यमी शामिल हुए। सुबह करीब 11 बजे पार्टी के एक पदाधिकारी के फोन करने पर वे भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे। कार्यक्रम के हाल में कई जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व अधिकारियों के लिए नेमप्लेट सहित कुर्सी लगी थी। बसपा के टिकट पर वर्ष 1996, 2002 व 2007 में तीन बार विधायक व एक बार मत्स्य विभाग का पूर्व मंत्री होने के बावजूद उनके लिए कोई कुर्सी आरक्षित नहीं थी। वे वर्ष 2019 से भाजपा में है और अकबरपुर विधानसभा सीट से पिछला चुनाव भी लड़ चुके हैं फिर भी पीछे खाली पड़ी कुर्सी पर वे बैठकर कुछ देर इंतजार किया कि हो सकता अब कोई व्यवस्था की जाए परंतु जब किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया तो वह कार्यक्रम से निकल गए। इसके बाद एसडीम सहित अन्य उच्चाधिकारियों के फोन आने लगे लेकिन वो वापस नहीं आए। पूर्व मंत्री धर्मराज का कहना है कि यह कोई पहला मौका नहीं था जब उनकी उपेक्षा की गई। गणतंत्र दिवस के मौके पर भी उन्हें निमंत्रण नहीं मिला। इसके अलावा बीते दिनों अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भी उनके लिए निमंत्रण आया था। परंतु 10 बजे के कार्यक्रम का निमंत्रण सूचना विभाग की तरफ से उन्हें 11 बजे दिया गया। जनता से जुड़े कई मुद्दों को लेकर उन्होंने अधिकारियों से संपर्क किया लेकिन उसका भी समाधान नहीं हो पा रहा है। कहा कि पार्टी व प्रशासन की लगातार हो रही उपेक्षा से वे काफी आहत हैं। ऐसे में अब लग रहा कि उन्हें जनसमस्याओं को लेकर धरने पर बैठना पड़ेगा।

नगर निगम ने 20 टन प्रतिबंधित पालिथीन 17.60 लाख में नीलाम

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर नगर निगम में बीते पांच महीने तक अभियान चलाकर 20 टन प्रतिबंधित पालिथीन जब्त की गई थी। प्रतिबंधित पॉलीथिन की नीलामी की प्रक्रिया पूरी कराकर सीतापुर स्टोर से उसकी निकासी कराई गई। तकरीबन 60 बोरा प्रतिबंधित पॉलीथिन क्रश करने के लिए गीडा स्थिति फैक्ट्री में कैमरे की निगरानी में भेजा गया। प्रतिबंधित पॉलीथिन की क्रशिंग के दौरान भी वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

सीतापुर स्टोर पर उप सभापति ऋर्मदेव चौहान, पार्षद जिलाउल इस्लाम, पिंटू गौड़, मुख्य नगर लेखा परीक्षक, जोनल अधिकारी, अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह की मौजूदगी में नीलाम की गई 60 बोरी प्रतिबंधित पॉलीथिन गीडा स्थित फैक्ट्री में भेजी गई। अपर नर आयुक्त निरंकार सिंह ने बताया कि पांच महीने में 20 टन प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई थी। 88 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से इसकी बिक्री गई। इससे नगर निगम को 17.60 रुपये मिले हैं। पारदर्शिता के लिए पूरी प्रक्रिया वीडियो कैमरे की निगरानी में हुई। फैक्ट्री में भी प्रतिबंधित पॉलीथिन की क्रशिंग की प्रक्रिया की जाएगी।

पान विक्रेता को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। हाइवे स्थित बरदहिया बाजार के पास मंगलवार को अज्ञात वाहन ने एक मोटरसाइकिल सवार को रौंद दिया। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हांड़ापार गांव के धर्मेंद्र यादव (32) पुत्र गोमती प्रसाद यादव हाईवे स्थित भुवरिया चौराहे पर पान की दुकान चलाते थे। वे सुबह घर से दुकान पर जाने के लिए मोटरसाइकिल से निकले थे। वे जैसे ही हाईवे स्थित बरदहिया बाजार के पास पहुंचे थे। अचानक विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। गंभीर चोट आने से उनकी पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी राहगीरों ने कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी पुलिस ने धर्मेंद्र के परिजनों को दी। धर्मेंद्र के परिजनों ने बताया कि वह घर का कमाऊ बेटा रहा। इनकी कमाई से ही पूरे परिवार का खर्चा चलता था। धर्मेंद्र की तीन बेटी व एक बेटा है। पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के स्वजनों का रो–रो कर बुरा हाल हो गया है। सब लोग यही कह रहे थे कि अब इस परिवार का गुजर–बसर कैसे होगा।

एलआईयू ने शुरू की जांच, सभी पक्षकारों से बयान लेकर जुटाए साक्ष्य

संवाददाता–गोरखपुर। रामलीला कमेटी की तरफ से मुख्यमंत्री आईजीआरएस पोर्टल पर हुई शिकायत की जांच खुफिया एजेंसी ने शुरू कर दी है। एलआईयू की तीन सदस्यीय टीम, कमेटी के संरक्षक पंकज गोयल की दुकान पर पहुंची और रामलीला मैदान के आवंटन और दिए गए टेंडर के संबंध में बयान दर्ज कराया। सभी प्रपत्रों की नकल अपने पास सुरक्षित रखी। वहीं दूसरे पक्ष के दिनेश गुप्ता से भी एलआईयू ने कई बिंदुओं पर जानकारी हासिल की। जानकारी के मुताबिक, एलआईयू की टीम हिंदी बाजार पहुंची। पंकज गोयल से रामलीला के आवंटन के समय से सभी दस्तावेजों की जांच की। संरक्षक ने जीर्णोद्धार के बाद 9 जुलाई 2019 को हुई जिलाधिकारी की बैठक पत्रांक संख्या 678 दिखाया। इसमें डीएम के साथ पर्यटन विभाग और अपर जिलाधिकारी की टीम मौजूद थी। इन पत्रों के साथ किन–किन फर्मों ने टेंडर के लिए आवेदन किया था। किन शर्त पर टेंडर को संबंधित को दिया गया। फर्म की तरफ से इन शर्तों की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जा रही है या नहीं, इसकी भी जांच की। इन प्रपत्रों के अलावा रामलीला कमेटी को टेंडर लेकर चलाने वाले पूर्व पार्षद संजय श्रीवास्तव को बुलाकर उनके बयान भी नोट किए गए और रामलीला कमेटी के संचालन का जिम्मा उनके पास कब से आया,यह भी बयान में दर्ज किया। कमेटी के मंत्री हरिद्वार वर्मा की ओर से की गई शिकायत को लेकर भी लिखित में उसकी नकल सुरक्षित की। इसके अलावा एलआईयू की टीम दिनेश गुप्ता के परिसर के सामने बने मंदिर की भी जांच कर रही है। एलआईयू की टीम इन प्रपत्रों की जांच के अलावा भौतिकी परीक्षण के साथ अपनी रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को सौंपेगी। इसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय नगर पंचायत, नगर बाजार, बस्ती।

निविदा सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण तथा समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि वित्तीय वर्ष 2023–24 में नगर पंचायत नगर बाजार, बस्ती में राज्य वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत विद्यालयों में शौचालय मरम्मत एंव टाइलीकरण का निर्माण कार्य करायें जाने हेतु निविदा प्रपत्र की बिकी दिनांक 23–02–24 समय 02:00 बजे तक नगर पंचायत कार्यालय पर ही की जायेगी। मुहरबन्द निविदायें दिनांक 26–02–24 समय 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार, बस्ती पर आमंत्रित की जाती हैं। प्राप्त निविदाओं को उसी दिन 03:00 बजे निविदादाताओं/अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोला जायेगा। अन्य जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। कार्य का विवरण निम्नवत है:–

क्रमांक	निर्माण कार्य का नाम	आगणन धनराशि	धरोहर धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	वार्ड सं0–9 राजा उदय प्रताप नगर में प्राथमिक विद्यालय नगर बाजार का शौचालय मरम्मत व कमरों में टाईलीकरण का कार्य।	3,12,000.00	31,200.00	368.00	3 माह
2	वार्ड सं0–01 अम्बेडकर नगर प्राथमिक विद्यालय फुलवरिया चाई व ऑगनवाडी केन्द्र में शैचालय का मरम्मत, कमरों में टाईलीकरण का कार्य।	2,33000.00	23,300.00	275.00	3 माह
3	वार्ड सं0–09 राजा उदय प्रताप नगर में कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शौचालय का मरम्मत कार्य।	2,40,000.00	24,000.00	283.00	3 माह
4	वार्ड सं0–8 शिवाजी नगर में प्राथमिक विद्यालय लखनाहट बालक/बालिका में शौचालय टंकी का निर्माण कार्य।	1,03,000.00	10,300.00	122.00	3 माह
5	वार्ड सं0–15 पं0 दीनदयाल नगर में पूर्व माध्यमिक विद्यालय फुलवरिया चाई बालक/बालिका में शौचालय का मरम्मत का कार्य।	54,000.00	54,00.00	64.00	3 माह

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत नगर बाजार
जनपद–बस्ती।

नीलम सिंह
अध्यक्ष
नगर पंचायत नगर बाजार
जनपद–बस्ती।

पत्रांक 540(2)/ न0पं0न0बा0/2023–24 दिनांक 17–02–2024

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अपील सं0– C 201917000000667

अदालत–श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

सुग्रीव आदि
बनाम
बलराम आदि

1. बलराम पुत्र रामराज ग्राम बैहार तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. जगदम्बा पुत्र श्याम नरायन ग्राम सिहोरिया तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. राम प्रसाद पुत्र रामतौल 4. परशुराम पुत्र राम समुझ 5. राम कुमार पुत्र गंगाराम साकिनान पगार तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. गजराजी पत्नी राम दयाल ग्राम त्रिलोकपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–03–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 21 महीना 03 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 20 माह 02 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0 181/2019

कमला
बनाम
सुखदेव

1. सुखदेव आयु लगभग 44 साल पुत्र तुलसीराम साकिन बेलभरिया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 12–03–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 12 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0 312/2022

बलिराम आदि
बनाम
राम अधारे आदि

1. राम अधारे पुत्र चरित्तर यादव 2. विनोद 3. ओम प्रकाश 4. आलोक 5. अखिलेश उर्फ पिन्टू पुत्रगण दुर्गा प्रसाद 6. रघुनाथ पुत्र रामबली 7. त्रिभवन पुत्र राम दयाल साकिनान मौजा माझाखुर्द (राजा का खंगवा) तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 08–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com